64th Kerala School Kalolsavam, January 14 to 18, 2026, Thrissur

Item Code: 642 Participant Code: 034

घूमता हुआ पंखा।

राम, एक बड़े कम्पनी का मालिक था। वह यू.पी के उन्नाव से था। काम मुंबई में करता था। तो हर साल दो-तीन महीने घर लौटता था, और वापस मुंबई। वैसे तो उसे ट्रेन के ए.सी कोच से सफर करना पसंद है। लेकिन इस बार टिक्केट नहीं मिला, तो जनरल से जाना पड़ा।

यात्रा शुरु होने वाला था। वह ट्रेन में चढ़ गया। सीट ढूँढा, बैठ गया। ट्रेन चल पड़ा। वह अपने दस हजार रुपए का 'वाच' पहन के, सफर का आनंद लेते हुए बैठा था।

तभी, एक स्वेटर बेचने वाला आया। उसने अपना गठर राम के

(Note: This page will be scanned to publish the article in schoolwiki. So, Write neatly. Don't fold paper. Don't write overleaf).

पास रखकर, थके आवाज़ से पूछा,
"भैया, एक स्वेटर ले लो। बहुत अच्छा है।"

"कितने का दोगे?"

"तीन-सौ रुपए एक का।"

"नहीं, नहीं। बहुत ज़्यादा है।"

"दो पीस लोगे तो कम कर दूँगा।"

"कितने का?"

"250 एक का दूँगा।"

"नहीं नहीं! सौ में दे दो!"

"भैया, सौ तो बहुत कम है।

"ठीक है, न तेरा, न मेरा, 150 एक का।"

(Note: This page will be scanned to publish the article in schoolwiki. So, Write neatly. Don't fold paper. Don't write overleaf).

"ठीक है भैया। ~~लो~~ ले लीजिए।"

~~उसने~~ वह राम को स्वेटर बेच के चला गया। उसकी आँखों में नमी थी। चेहरे पर उदासी।

राम को तो खुशी हुआ। उसने अपना नया स्वेटर एक बार देखा। फिर उसे ~~म~~ लपेट कर अपने बैग में रख दिया। ~~बा~~ थोड़ी देर बाद, वह ट्रेन के दरवाज़े के पास गया, तेज हवे की मज़ा लेने के लिए। तब उसने सुना, दीवार के उस पार एक छोटे बच्चे और औरत ~~का~~ के आवाज़।

"पापा, आज कितने ~~स~~ स्वेटर ~~ब~~ बेचे?"

"बेटा, सिर्फ २ ही बेच पाया। और वह भी ~~नप~~ नुकसान में।"

"क्या? इस मतलब हमारे बच्चे आज भी भूखे रहेंगे? हे ~~भगवान~~ राम!!"

64-ാമത് കേരള സ്കൂൾ കലോത്സവം
തിയ്യതി.....................
പ്രോഗ്രാം കമ്മിറ്റി

हाँ ! राम ! यह बुलावा राम ~~के~~ ~~न~~ को लगा, उसके लिए था। उसका भीतर हिल गया। ~~उसने~~ वह वापस सीट में बैठ गया। पर वह स्वस्थ नही था। कुछ उसको सता रहा ~~न~~ था। उसने घूमते पंखे ~~पर~~ को देखा। वो पंखा घूम रहा था, वैसे ही उसका मन भी। उसने अपने बीते हुए वक्त के बारे में सोचा। आज के प्रसिद्धि और पैसे से दूर! उस ~~वक~~ वक्त के बारे में। उसके मन ~~म~~ ने खुद से पूछा। "मैं कौन हूँ? मैं कौन था?" उसने अपने अतीत ~~मैं~~ में झाँक कर देखा। वह सवाल। वह जवाब। वह भूख। वह चिंता। उसने कभी ~~अ~~ अपने पिताजी से पूछा था यह सवाल,

"पापा, आज कितने स्वेटर बेचे?"

उसके पिता ने दिया था वह जवाब। उसके माता ने ~~बु~~ बुलाया था, "हे राम!"

കേരള സ്കൂൾ കലോത്സവം തിയ്യതി.................... പ്രോഗ്രാം കമ്മിറ്റി

वह जाग उठा। उसने ऊपर देखा। ~~ब~~ घूमता हुआ वह 'पंखा'!

वह उठा, जल्द ट्रेन के दरवाज़े की ओर ~~भागा~~, दौड़ा। वहाँ बैठा था, वह आदमी, उसके ~~बच~~ बच्चे, उसकी पत्नी, उसका भूख, और वेदना।

राम उसकी ओर देखा, और कहा,

"भैया, मुझे वह स्वेटर मुझे बहुत पसंद आया। वह बहुत अच्छा है। आपके पास ~~अभि~~ अभी जितने भी हैं, क्या आप मुझे दे सकते हैं? चार-सौ पर पीस पर? मेरे दोस्तों को पसंद आएगा।"

"ज़रूर, ये लीजिए!"

उन्हें बहुत खुशी हुआ। "~~ब~~ बहुत, बहुत धन्यवाद राम! धन्यवाद भगवान!"

स्वेटर ले जाते समय राम के चेहरे पर एक मुस्कान थी।

64th Kerala School Kalolsavam, January 14 to 18, 2026, Thrissur

Item Code: 642 Participant Code: 034

~~उसके~~ उसीका मुस्कान। उसके पिता ~~की~~ का मुस्कान, माता की, उन सब का के।

(Note: This page will be scanned to publish the article in schoolwiki. So, Write neatly. Don't fold paper. Don't write overleaf).